

This question paper contains 8+4 printed pages]

Your Roll No. ....

1670

B.Com. (Hons.)/III

A

Paper XVII—MACRO-ECONOMICS

(Admissions of 2004 onwards)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

**Note :—** The maximum marks printed on the question paper are applicable for the candidates registered with the School of Open Learning for the B.A. (Hons.)/B.Com. (Hons.). These marks will, however, be scaled down proportionately in respect of the students of regular colleges, at the time of posting of awards for compilation of result.

**टिप्पणी :—** प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक 'स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग' के बी. ए. (ऑनर्स)/बी. कॉम. (ऑनर्स) में प्रवेश-प्राप्त छात्रों के लिए मान्य हैं। नियमित विद्यार्थियों के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

**Note :—** Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

**टिप्पणी :-** इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *All* questions.

The Marks for each question are indicated

at the end of the question.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने निर्दिष्ट

किए गए हैं।

1. (a) In an economy at full employment, show that at the rate of interest at which the supply of loanable funds equals the demand for loanable funds, the demand for goods and services will equal their supply. 5
- (b) Show that the demand for money as a medium of exchange depends on the level of income and the rate of interest, as per Baumol-Tobin model of cash management. 10
- (क) पूर्ण रोज़गार वाली अर्थव्यवस्था में, प्रमाणित कीजिए कि उस ब्याज दर पर जिस पर उधार देय निधियों की पूर्ति उधार देय निधियों की माँग के बराबर होती है, वस्तुओं और सेवाओं की माँग उनकी पूर्ति को बराबर करेगी।

- (ख) प्रमाणित कीजिए कि विनिमय के एक माध्यम के रूप में मुद्रा की माँग नकदी प्रबंध के बॉमोल-टोबिन मॉडल के अनुसार आय के स्तर और ब्याज की दर पर निर्भर करती है।

Or

(अथवा)

- (a) What would happen in an economy at full employment if the level of investment were to increase ? 5
- (b) "The flexible accelerator model explains how the rate of investment per time period closes the gap between the desired and the actual capital stock." Explain. Why is this gap not closed instantaneously ? 10
- (क) पूर्ण रोज़गार वाली अर्थव्यवस्था में क्या होगा जब निवेश का स्तर बढ़ जाता है ?
- (ख) "नम्य त्वरक मॉडल स्पष्ट करता है कि प्रति कालावधि निवेश-दर किस प्रकार वांछित और वास्तविक पूँजी स्टॉक के बीच अंतराल को भरती है।" स्पष्ट कीजिए। यह अंतराल तत्काल क्यों नहीं भरा जाता है ?

2. The following equations have been estimated for an economy :

$C = 5 + 0.8 Y_D$ , where  $C$  stands for consumption and  $Y_D$  for disposable income.

$T = 0.25Y$ , where  $T$  stands for Tax and  $Y$  for Income

$G = 315$ , where  $G$  stands for Government expenditure

$I = 280 - 5i$ , where  $I$  stands for Investment and  $i$  for interest

$L = 0.4Y - 5i$ , where  $L$  stands for the demand for real balances

$M = 800$ , where  $M$  stands for nominal money supply

$P = 2$ , where  $P$  stands for the price level

Find :

- (i) the level of investment, and
- (ii) if the government expenditure were to increase by 10 and at the same time nominal money supply were to increase by 20, what would be the changes in the level of Investment and the level of income ?

5. 10

एक अर्थव्यवस्था के लिए निम्नलिखित समीकरण आकलित किए गए हैं :

$C = 5 + 0.8 Y_D$ , जिसमें  $C$  उपभोग के लिए और  $Y_D$  प्रयोज्य आय के प्रतीक हैं।

$T = 0.25Y$ , जिसमें  $T$  कर के लिए और  $Y$  आय के लिए प्रतीक हैं।

$G = 315$ , जिसमें  $G$  सरकारी व्यय का प्रतीक है।

$I = 280 - 5i$ , जिसमें  $I$  निवेश के लिए और  $i$  ब्याज के लिए प्रतीक हैं।

$L = 0.4Y - 5i$ , जिसमें  $L$  वास्तविक शेषों की माँग के लिए प्रतीक है।

$M = 800$ , जिसमें  $M$  सांकेतिक मुद्रा पूर्ति के लिए प्रतीक है।

$P = 2$ , जिसमें  $P$  कीमत स्तर के लिए प्रतीक है।

ज्ञात कीजिए :

(i) निवेश का स्तर, और

(ii) यदि सरकारी व्यय में 10 से वृद्धि हो और उसके साथ ही सांकेतिक मुद्रा पूर्ति 20 से बढ़ जाए, तब निवेश के स्तर और आय के स्तर में क्या परिवर्तन होंगे ?

Or

(अथवा)

An economy is described by the following equations :

$C = 10 + 0.75 Y_D$ , where  $C$  stands for consumption and  $Y_D$  for disposable income

$T = 0.2 Y$ , where  $T$  stands for Tax and  $Y$  for income

$G = 230$ , where  $G$  stands for Government expenditure

$I = 280 - 6i$ , where  $I$  stands for Investment and  $i$  for interest

$L = 0.4Y - 4i$ , where  $L$  stands for the demand for real balances

$M = 800$ , where  $M$  stands for nominal money supply

$P = 2$ , where  $P$  stands for the price level

Calculate :

(i) the budget surplus and

(ii) if government spending were to increase by 10, what would be the change in the rate of interest, the level of investment and the level of income ? 5,4,3,3

एक अर्थव्यवस्था निम्नलिखित समीकरणों द्वारा वर्णित है :

$C = 10 + 0.75 Y_D$ , जिसमें  $C$  उपभोग के लिए और  $Y_D$  प्रयोज्य आय के लिए प्रतीक हैं।

$T = 0.2 Y$ , जिसमें  $T$  कर के लिए और  $Y$  आय के लिए प्रतीक हैं।

$G = 230$ , जिसमें  $G$  सरकारी व्यय के लिए प्रतीक है।

$I = 280 - 6i$ , जिसमें  $I$  निवेश के लिए और  $i$  ब्याज-दर के लिए प्रतीक हैं।

$L = 0.4Y - 4i$ , जिसमें  $L$  वास्तविक माँगों के लिए प्रतीक है।

$M = 800$ , जिसमें  $M$  सांकेतिक मुद्रा पूर्ति का प्रतीक है।

$P = 2$ , जिसमें  $P$  कीमत स्तर के लिए प्रतीक है।

परिकलित कीजिए :

- (i) बजट अधिशेष, और
- (ii) सरकारी खर्च के 10 से बढ़ जाने पर ब्याज की दर में, निवेश के स्तर में और आय के स्तर में क्या परिवर्तन होंगे ?

3. (a) How will an adverse oil shock affect output, employment and the price level in the short-run and real wages in the long-run ? 10
- (b) Show how the natural (steady state) rate of unemployment is related to the rates of job finding and job separation. 5
- (क) प्रतिकूल तेल आघात किस प्रकार अल्प-कालावधि में निर्गत, रोजगार और कीमत स्तर को और दीर्घ-कालावधि में वास्तविक मजदूरी को प्रभावित करेगा ?
- (ख) प्रमाणित कीजिए बेरोजगारी की वास्तविक (स्थिर अवस्था) दर किस प्रकार कार्य प्राप्त करने और कार्य पृथक्करण की दरों से संबद्ध होती है।

Or

(अथवा)

- (a) Use the aggregate supply curve :

$$P = P_{-1} [1 + \lambda (Y - Y^*)]$$

and the aggregate demand curve to find out the effects of an increase in money supply in the short-run and the long-run. In this question, P stands for the price level and Y for the level of real output. 10



- (b) What is wage rigidity and how does it cause unemployment ? 5

(क) समस्त पूर्ति वक्र

$$P = P_{-1} [1 + \lambda (Y - Y^*)]$$

और समस्त माँग वक्र का अल्प-कालावधि और दीर्घ-कालावधि में मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के प्रभावों को ज्ञात करने के लिए उपयोग कीजिए। इस प्रश्न में  $P$  कीमत स्तर के लिए तथा  $Y$  वास्तविक निर्गत के स्तर के लिए प्रतीक हैं।

- (ख) मजदूरी अनम्यता से क्या तात्पर्य है और यह किस प्रकार बेरोज़गारी का कारण होती है ?

4. Use the expectations augmented aggregate supply curve (dynamic aggregate supply curve) :

$$\Pi = \pi_{-1} + \lambda (Y - Y^*)$$

and the dynamic aggregate demand curve :

$$\Pi = m - 1/\Phi (Y - Y_{-1}) + \sigma f$$

to show the effects of an increase in government expenditure.

In this question  $\Pi$  stands for inflation,  $m$  stands for the rate of growth of nominal money supply,  $Y$  stands for real output,  $Y^*$  for the full employment level of output and  $f$  stands for the change in fiscal policy.

15

सरकारी व्यय पर वृद्धि के प्रभावों को दर्शाने के लिए प्रत्याशा आवर्धित समस्त पूर्ति वक्र (गत्यात्मक समस्त पूर्ति वक्र) :

$$\Pi = \pi_{-1} + \lambda(Y - Y^*)$$

और गत्यात्मक समस्त माँग वक्र :

$$\Pi = m - 1/\Phi(Y - Y_{-1}) + \sigma f$$

का उपयोग कीजिए। इस प्रश्न में  $\Pi$  स्फीति के लिए,  $m$  सांकेतिक मुद्रा पूर्ति की वृद्धि दर के लिए,  $Y$  वास्तविक निर्गत के लिए,  $Y^*$  निर्गत के पूर्ण रोजगार स्तर के लिए और  $f$  राजकोषीय नीति में परिवर्तन के लिए प्रतीक हैं।

Or

(अथवा)

- (a) With the help of the Fisher equation and a diagram, explain how an increase in the rate of growth of money supply affects the nominal rate of interest over time. 5
- (b) Explain partial and complete crowding out effect of expansionary fiscal policy, with the help of diagrams. 10
- (क) फिशर समीकरण और एक आरेख की सहायता से स्पष्ट कीजिए कि मुद्रा पूर्ति की वृद्धि दर में बढ़त समय के साथ किस प्रकार ब्याज की सांकेतिक दर को प्रभावित करती है।
- (ख) आरेखों की सहायता से प्रसरणशील राजकोषीय नीति के आंशिक और पूर्ण असंकुलनकारी प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।
5. How is the real rate of exchange determined in a small open economy with perfect capital mobility ? How will changes in fiscal policy at home and abroad affect the real rate of exchange ? 15

पूर्ण पूँजी गतिशीलता वाली लघु खुली अर्थव्यवस्था में विनिमय की वास्तविक दर किस प्रकार निर्धारित होती है ? देश में तथा विदेश में राजकोषीय नीति में परिवर्तन किस प्रकार विनिमय की वास्तविक दर को प्रभावित करेंगे ?

Or

(अथवा)

Explain how an expansionary Fiscal Policy at home and a restrictive Trade Policy influence the real exchange rate and Net Exports in a large open economy. 15

स्पष्ट कीजिए कि बड़ी खुली अर्थव्यवस्था में देश में प्रसरणशील राजकोषीय नीति और प्रतिबंधी व्यापार नीति किस प्रकार वास्तविक विनिमय दर और शुद्ध निर्यातों को प्रभावित करती हैं।